Financial Help to Artists

3816. SHRI S. A. MURUGANANTHAM Will the Minister of CULTURE be pleased to state :

(a) whether Government have any programme to provide financial help to indigent artists ; and

(b) if so, the main features thereof ?

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE AND MINISTER OF DEPARTMENT OF CULTURE (SHRI SIDDHARATHA SHANKAR RAY) (a) A scheme of financial assistance to writers and artists who are of regional or national fame, has been drafted and will be finalized shortly It is proposed to give 25 awards under this scheme during 1971-72

(b) The main features of the proposed scheme are

(i) a person should have completed 60 years and should be of national or regional fame as a writer or an artist and his contribution to art or letters must be of significance

(ii) the private means of the applicant must not exceed Rs. 250/- p.m

(iii) assistance from Government will be in the form on monthly allowance which will not exceed Rs. 250/- p.m.

केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय द्वारा अहिन्दी भाषी क्षेत्रों में वितरण के लिये हिन्दी पुस्तकों की खरीद

3817. **श्री जगन्नाथ राव जोशी** : क्या शिक्षा और समाज कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय ने अहिन्दी भाषी क्षेत्रो मे वितरण के लिये बड़ी मात्रा मे हिन्दी पुस्तके खरीदी है ,

(ख) केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय द्वारा अपनी पुस्तक क्रय योजना के अधीन पिछले तीन वर्षों में वर्षवार कितने मूल्य की पुस्तकें खरीदी और पुस्तकों की खरीद के लिये क्या कसौटी अपनाई गई ;

(ग) क्या इस वर्ष पुस्तकें खरीदने में स्वेच्छा बरती गई और फलस्वरूप पिछले वर्षों की अपेक्षा अधिक पुस्तकें निचले स्तर की खरीदी गई ; और

(घ) क्या सरकार का विचार इस मामले मे जाच कराने का है ?

शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय तथा संस्कृति विभाग में उप-मंत्री (श्री डी० पी० यादव) : (क) जी, हा ।

(ख) खर्च की गई राशि निम्न प्रकार है –

1968-69	1969-70	1970-71
	(रु० लाखो मे)	
1.35	2.29	1.71

अहिन्दी भाषी क्षेत्रो के स्वैच्छिक हिन्दी सगठनो और शिक्षा सस्थानो को निःशुल्क उपहार के रूप मे बाटने के हेतु प्रकाशको/पुस्तक विक्रेताओ और लेखको से हिन्दी की पुस्तको की खरीद के लिये सुझाव आमन्त्रित किये जाते है । सामान्यत सरल भाषा मे लिखी, रोचक और नवसाक्षरो के हेतु शिक्षाप्रद पुस्तके खरीदने के लिये विचार किया जाता है । इनमे लोकप्रिय विषयों का व्यापक क्षेत्र शामिल है ।

सार्वजनिक जीवन और सरकार मे जिम्मेदार स्तर के व्यक्तियो और प्रख्यात हिन्दी विद्वानो सहित बनी एक प्रवरण समिति की सिफारिश पर थोक खरीद के लिये पुस्तको का चयन किया जाता है ।

(ग) इस वर्ष भी पुस्तकें खरीदने की सुस्थापित कार्यविधि का अनुसरण किया गया है ।

(घ) प्रश्न नही उठता ।

बिहार के गया जिले में रामशिला पहाड़ी का पर्यटन केन्द्र के रूप में विकास

3818. **श्री ईश्वर चौधरी** : क्या पर्यटन